‘ज्योतिबा फुले का जीवन सामाजिक समरसता व सशक्तिकरण को समर्पित था’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, यह जयन्ती समारोह उनके प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है

जयपुर, 11 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महान शिक्षाविद् तथा समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपना पूरा जीवन शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया। उन्होंने नारी शिक्षा, किसानों के अधिकार और सामाजिक न्याय की अलख जगाई। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले जी द्वारा दिखाए गये रास्ते पर चलते हुए राज्य सरकार राजस्थान को कृषक-कल्याणकारी राज्य बनाने के लिए कृतसंकल्प है।

शर्मा शुक्रवार को मुहाना मंडी परिसर में ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल एक जयंती समारोह नहीं, बल्कि उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ज्योतिबा फुले जी ने भारतीय समाज को एक नई दिशा दी, अंधेरे में प्रकाश का दीप जलाया और उत्पीड़ित वर्गों को सम्मान व समानता का अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा ने शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाते हुए, अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू किया। सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका के रूप में इतिहास में दर्ज हुईं। शर्मा ने कहा कि उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर समाज में फैली जातिगत असमानता को दूर करने, सत्य की खोज और मानवता की सेवा का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती पर मुहाना मंडी परिसर में आयोजित समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा महान शिक्षाविद् समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपना पूरा जीवन शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्योतिबा फुले के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार ने फल-सब्जी व्यापारियों और बागवानी करने वाले किसानों के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनका लाभ आने वाले वर्षों तक प्रदेश को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में नई कृषि मंडियों की स्थापना से किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने और स्थानीय स्तर पर विपणन की सुविधा देने का कार्य कर रहे हैं।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि महात्मा फुले ने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर जातिगत असामानता को दूर करने, सत्य की खोज व मानवता की सेवा का संदेश दिया।**

इस दौरान मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों के साथ संवाद किया। समारोह में सांसद डॉ. मंजू शर्मा, विधायक कैलाश वर्मा, उप महापौर पुनीत कर्णावट, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी सहित, अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने महात्मा ज्योतिबा फुले की 198वीं जयंती के अवसर पर सहकार मार्ग स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया।

अमेरिका को चीन का करारा जवाब

बीजिंग, 11 अप्रैल। चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध हर गुजरते दिन के साथ और तेज होता जा रहा है। इस क्रम में चीन ने एक कदम और आगे बढ़ ते हुये अमेरिका से आयातित सामानों पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है।

- **अमेरिका के 145 प्रतिशत टैरिफ के जवाब में चीन ने अमेरिकी सामान पर 125 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है।**

अमेरिका ने चीन पर कुल 145 प्रतिशत टैरिफ लगाया था और अब चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिका से आयातित उत्पादों पर 125 प्रतिशत कर लगा दिया है, जो शनिवार से लागू होगा।

गौरतलब है कि इससे पहले बुधवार को चीन ने अमेरिकी वस्तुओं पर 84 फीसदी आयात कर लगाने की घोषणा की थी।

पिछले सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने चीन पर अतिरिक्त 34 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा की थी। यह शुल्क नौ अप्रैल से लागू होना था, लेकिन उससे कुछ घंटे पहले ट्रम्प ने आयात कर में 50 प्रतिशत की और वृद्धि करने की घोषणा कर दी।

इसके जवाब में, चीन ने बुधवार को अमेरिकी वस्तुओं पर आयात कर 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 84 फीसदी कर दिया।

प्र.मंत्री मोदी एक दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुँचे, गैंग रेप पर रोष जताया

एयरपोर्ट पर उतरते ही मोदी ने पुलिस अफसरों से मीटिंग की और गैंग रेप के आरोपियों पर सख्त कार्यवाही का आदेश दिया

वाराणसी, 11 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे। वाराणसी एयरपोर्ट पर उतरते ही, प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी के पुलिस आयुक्त, मंडल आयुक्त और जिलाधिकारी से कुछ दिन पूर्व शहर में घटी एक बलात्कार की घटना के बारे में विस्तार से जानकारी ली। पीएम मोदी ने अधिकारियों से कहा कि सभी दोषियों को चिह्नित करते हुए कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में बलात्कार की घटना का संज्ञान लिया है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एयरपोर्ट पर उतरते ही मंडलायुक्त, पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी से प्रधानमंत्री ने घटना के संबंध में बात की। अधिकारियों से पीएम ने कहा कि इस जघन्य अपराध में शामिल दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बता दें कि बीते दिनों वाराणसी में 19 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया था। पुलिस ने पीड़िता को 4 अप्रैल को बेहोशी की हालत में पाया था। इस मामले में कुल 23 लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने 12 नामजद सहित, 11 अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस मामले में अबतक 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। आरोपियों के खिलाफ लालपुर पांडेयपुर थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाया गया और कई दिनों तक उसके साथ बलात्कार किया गया। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि सात दिनों के दौरान 23 लोगों ने उसके साथ बलात्कार किया।

- **प्रधानमंत्री ने कहा, इस जघन्य कृत्य में शामिल आरोपियों पर सख्त कार्यवाही की जाए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।**

‘राणा का ‘‘एक्स्ट्राडिशन’’

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तहव्वुर राणा को फांसी देकर भाजपा वहाँ के चुनावों में राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करेगी।

जहाँ, उन्होंने प्रत्यर्पण का स्वागत किया, वहीं, यह भी कहा कि इस मामले में भाजपा का तरीका सही नहीं था और यह कि उन्हें पूरा विश्वास है कि पार्टी इस मामले में राजनीति कर रही है। दूसरी तरफ, कांग्रेस ने राणा के प्रत्यर्पण का श्रेय लेने के लिए नरेन्द्र मोदी सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि यह प्रत्यर्पण मनमोहन सिंह की सरकार के डेढ़ दशक के अथक कानूनी और खुफिया प्रयासों का परिणाम है। पूर्ववर्ती यू.पी.ए. सरकार ने ये प्रयास शुरु किये थे और अमेरिका के साथ सतत तालमेल कर इन्हें जीवित बनाए रखा। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम् ने गुरुवार को इन प्रयासों की सिलसिलेवार जानकारी दी और कहा, ‘‘वर्तमान भाजपा सरकार को यू.पी.ए. सरकार के समय हुए कूटनीतिक प्रयासों का लाभ मिला है।’’

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने के लिये यह उनकी पूर्व शर्त थी।

अमित शाह ने कहा, ‘‘तमिलनाडु में ‘‘नैशनल डेमोक्रेटिक अलायंस’’ (एनडीए) के नेता इडापल्ली पलानीस्वामी होंगे।’’ एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, ‘‘(गठबंधन को पुनर्जीवित करने के लिये) अन्नाद्रमुक ने कोई माँग या शर्त नहीं रखी थी।’’

निष्कासित अन्नाद्रमुक नेता, ओ पन्नीरसेल्वम तथा अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम के महासचिव टीटीवी दिनकरन के अन्नाद्रमुक में पुनः प्रवेश के बारे में पूछे जाने पर, केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि वे अन्नाद्रमुक के आंतरिक मामले में कुछ नहीं कहेंगे।

इससे पूर्व, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘‘एक्स’’ पोस्ट कर दिया था, ‘‘तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष पद के लिये पार्टी को केवल नैनार का ही नामांकन पत्र प्राप्त हुआ है।

इस अवसर पर, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निवर्तमान राज्य भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई की भरपूर सराहना की। वे प्रेस कॉन्फ्रैंस में शाह के बगल में ही बैठे थे। उनकी प्रशंसा करते हुये, अमित शाह ने कहा, ‘‘तमिलनाडु भाजपा इकाई के अध्यक्ष रहते हुये, के अन्नामलाई जी ने प्रशंसनीय कार्य किया है। चाहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों को जनता तक ले जाने का काम रहा हो या पार्टी के कार्यक्रमों/योजनाओं को गाँव-गाँव ले जाने का दायित्व रहा हो, अन्नामलाई जी का योगदान अभूतपूर्व रहा है। भाजपा अन्नामलाई जी के संगठनात्मक कौशल का उपयोग पार्टी के राष्ट्रीय ढाँचे में करेगी।’’

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने पार्टी के प्रांतीय मुख्यालय, ‘‘कमलालयम’’ में घोषणा की कि ‘‘भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिये, हमें नागेन्द्रन नैनार का नामांकन पत्र मिला है। उनके नाम के प्रस्तावक के अन्नामलाई, एल. मुरुगन, पॉन., राधाकृष्णन, एच.राजा, बनाती श्रीनिवासन, वी.पी. दुरैसामी, कनगासबापति, पॉन.वी. बलागनापति, के.पी. रामलिंगम तथा नारायण तिरुपति हैं।’’

नागेन्द्रन सबसे पहले 2001 में अन्नाद्रमुक उम्मीदवार के रूप में तिरुनेलवेली सीट से तमिलनाडु विधानसभा के लिये चुने गये थे। पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के नेतृत्व वाली अन्नाद्रमुक सरकार के शासनकाल (2001-06) में, वे मंत्री बनाये गये थे तथा उनके पास परिवहन, उद्योग तथा बिजली विभाग थे।

2016 में जयललिता के निधन के कुछ महीने बाद, नागेन्द्रन भाजपा में शामिल हो गये थे। वे 2021 में वे उसी सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में पुनः चुने गये तथा तमिलनाडु विधानसभा में भाजपा विधायक दल के नेता नियुक्त किये गये।

अहमदाबाद में आग, बॉलकनी से लटक कर लोगों ने जान बचाई

अहमदाबाद, 11 अप्रैल। गुजरात के अहमदाबाद के एक अपार्टमेंट में शुक्रवार शाम अचानक भीषण आग लग गई। थोड़ी ही देर में आग ने अपार्टमेंट के बड़े इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान, वहां फंसे लोगों ने जान हथेली पर रखकर किसी तरह खुद को और बच्चों को बचाया।

- **खोखर सर्किल पर परिस्कर-1 अपार्टमैंट में लगी आग में दमकल विभाग ने 20 लोगों को रैस्क्यू किया।**

सूचना पाकर पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। घटना अहमदाबाद के खोखर सर्किल स्थित परिस्कर-1 अपार्टमेंट की है।

इस घटना की तस्वीरें भी सामने आयी है। इसमें दिख रहा है कि कैसे लोग खुद की और अपने बच्चों की जान बचा रहे हैं। तस्वीरें विचलित कर सकती हैं। आग लगते ही जान बचाने के लिए लोग कूदने लगे। उन्होंने खिड़कियों से लटककर अपनी जान बचाई।

सोसायटी के चेयरमैन ने बताया कि आग की सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में 20 लोगों को रेस्क्यू किया गया था। आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया है। किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है।

तमिलनाडु के मंत्री ने हिंदू प्रतीकों व महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी की

द्रमुक नेतृत्व ने उक्त मंत्री पोनमुडी को पार्टी महासचिव पद से हटा दिया है

चेन्नई, 11 अप्रैल। तमिलनाडु के वन मंत्री और सीनियर डीएमके नेता के पोनमुडी की विवादित टिप्पणी पर पार्टी ने उन के खिलाफ एक्शन लिया है। एक सार्वजनिक समारोह में उन्होंने हिंदू धार्मिक पहचान को लेकर महिलाओं से जुड़ा आपत्तिजनक बयान दिया, जिसके बाद डीएमके ने उन्हें उपमहासचिव पद से हटा दिया है। पोनमुडी ने हिंदू तिलक पर कमेंट किया था, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उनके बयान पर पार्टी सांसद कनिमोझी ने भी ऐतराज जताया।

डीएमके सांसद कनिमोझी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, ‘‘मंत्री के पोनमुडी का हालिया भाषण स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस अपमानजनक भाषण की निंदा की जानी चाहिए।’’ पोनमुडी ने अपने बयान में हिंदू धार्मिक प्रतीकों शैव और वैष्णव को आपत्तिजनक संदर्भों से जोड़ा था। हालांकि उन्हें अभी तक मंत्री पद से बर्खास्त नहीं किया गया है।

- **पोनमुडी ने हिंदू तिलक पर और महिलाओं पर जो अश्लील टिप्पणी की है, उस पर पार्टी सांसद कनिमोई ने भी नाराज़गी जताई।**

बीजेपी आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने इस मुद्दे को लेकर सीएम स्टालिन पर निशाना साधा। अमित मालवीय ने कहा, ‘‘चाहे वह डीएमके हो, कांग्रेस हो, टीएमसी हो या आरजेडी हो, इंडिया गठबंधन के सदस्य विचारधारा से नहीं, बल्कि हिंदू मान्यताओं का अपमान करने के लिए एकजुट दिखते हैं।’’

तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई ने मंत्री पोनमुडी की विवादास्पद टिप्पणी को डीएमके की राजनीति का मानक बताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट लिखा, ‘‘केवल यह मंत्री ही नहीं, डीएमके का पूरा तंत्र अश्लील, अपशब्द बोलने वाला और असभ्य है। मुख्यमंत्री को इस तरह के लोगों का नेतृत्व करने पर शर्म से अपना सिर झुकाना चाहिए।’’

‘एक साल पहले जोर शोर से शुरु की गई रोजगार प्रोत्साहन योजना कहाँ गायब हो गई’

नयी दिल्ली, 11 अप्रैल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सवाल किया है कि उन्होंने करीब एक साल पहले रोजगार से जुड़ी योजना की शुरुआत बड़े धूमधाम से की थी लेकिन उसके परिणाम धरातल पर कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। गांधी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित इस योजना के लिए बड़ी राशि का ऐलान कर इसके लिए धन भी आवंटित किया गया, लेकिन इस राशि को वापस कर दिया गया है और इस तरह प्रधानमंत्री की यह योजना भी जुमला बनकर रह गई है। गांधी ने कहा, 2024 के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे युवाओं को रोजगार देने का वादा करते हुए बहुत धूमधाम से रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की घोषणा की। यह घोषणा किए हुए लगभग एक साल हो गया है, सरकार ने इसे परिभाषित भी नहीं किया है और इसके लिए आवंटित 10,000 करोड़ रुपये वापस कर दिए हैं। इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री बेरोजगारी को लेकर कितने गंभीर हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मेरे इन विचारों से मोदी सहमत नहीं होंगे लेकिन यह पक्का है कि केवल बड़े कॉरपोरेट्स पर ध्यान केंद्रित करके, निष्पक्ष व्यवसायों की तुलना में कुछ पूंजीपतियों को बढ़ ावा देकर, उत्पादन की तुलना में जोड़तोड़ के निर्माण को प्राथमिकता देकर और भारत के स्वदेशी कौशल की उपेक्षा करके नौकरियां पैदा नहीं की जा सकती। गांधी ने सवाल करते हुए कहा, प्रधानमंत्री जी, आपने बहुत दिखावे के साथ ईएलआई की घोषणा की - लेकिन यह 10,000 करोड़ की योजना कहाँ गायब हो गई। भारत को जिन करोड़ों नौकरियों की सख्त जरूरत है, उन्हें पैदा करने के लिए आपकी ठोस योजना क्या है या यह सिर्फ एक और जुमला है।

- **राहुल गांधी ने कहा, इस योजना के तहत आवंटित पैसा लौटा दिया गया है, यह भी जुमला बन कर रह गई है**

‘सेवारत शिक्षकों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका में कहा गया कि विश्वविद्यालय ने द्वितीय वर्ष की परीक्षा 16 अप्रैल से लेना तय किया। जब याचिकाकर्ताओं ने इसके लिए आवेदन किया विवि ने उनके सेवारत होने का हवाला देकर आवेदन स्वीकार नहीं किए। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि कार्मिक विभाग के परिपत्र के अनुसार कोई भी सरकारी कर्मचारी सेवा में रहते हुए अपनी ड्यूटी के बाद कक्षाओं में शामिल होकर पाठ्यक्रम कर सकता है। वहीं गोविंद गुरु ट्राइबल विश्वविद्यालय के नियमों के तहत भी सेवारत कर्मचारी विधि स्नातक की डिग्री ले सकता है। इसके अलावा हर व्यक्ति का उच्च शिक्षा लेने का मूल अधिकार है और याचिकाकर्ताओं ने नियमानुसार विभाग से अनुमति लेकर ही पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था और प्रथम वर्ष पास किया था। ऐसे में अब उन्हें परीक्षा में शामिल होने से वंचित नहीं किया जा सकता। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं को द्वितीय साल की परीक्षा में शामिल करने के आदेश देते हुए विवि प्रशासन से जवाब तलब किया है।

राहुल गांधी को दूसरे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चौबंद इंतजाम किए गए हैं। जानकारी के अनुसार राहुल गांधी के साथ कुछ विदेशी और देश के करीबी मेहमान भी हैं, जो उनके साथ टाइगर सफारी का लुत्फ ले रहे हैं। राहुल गांधी बुधवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद अहमदाबाद से फ्लाइट द्वारा जयपुर पहुंचे थे और वहां से सड़क मार्ग से रात करीब 10 बजे सवाई माधोपुर पहुंचे थे।

जानकारी ने अनुसार, राहुल गांधी की 13 अप्रैल तक रणथंभौर सफारी की बुकिंग बताई जा रही है। गाँधी परिवार का रणथंभौर से गहरा नाता रहा है। गांधी परिवार के सदस्य निजी यात्रा पर रणथंभौर आते रहते हैं।

पुलिस ने लाठी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के युवा को सरकार में लेशमात्र का भी विश्वास नहीं है। संविधान बदलने का षडयंत्र रचने के लिए जनता के लोकसभा चुनाव में उचित जवाब दिया था, वैसे ही बिहार का युवा भी तैयार है। उनसे जो वादे किए गए थे वे पूरे नहीं हुए। समय आ गया है इस विश्वासघात के लिए जिम्मेदारी तय की जाए।’’

हिमाचल प्रदेश में वर्षा, ओलावृष्टि व हिमपात

शिमला/कुल्लू, 11 अप्रैल। हिमाचल प्रदेश की ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी दर्ज की गई, जबकि अन्य कई क्षेत्रों में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई है।

गुरुवार को जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति की चोटियों में ताजा हिमपात हुआ है, जबकि जिला मुख्यालय केलांग सहित पूरी घाटी में बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया है। इसके अलावा, कुल्लू जिला की उझी घाटी के साथ पार्वती और सैंज घाटी में भी जमकर बारिश और ओलावृष्टि भी हुई है। इससे फसलों को नुकसान हुआ है।

- **शिमला के आसपास शाम को भारी वर्षा व ओलावृष्टि हुई।**

वहीं, शिमला जिले के कुछ भागों में भी बारिश व ओलावृष्टि हुई है। सिरमौर जिले के रोनहाट क्षेत्र में भी ओलावृष्टि हुई है। शिमला शहर व आसपास के भागों में भी देर शाम भारी बारिश-ओलावृष्टि के साथ अधंड़ चला।

मौसम विज्ञान केन्द्र शिमला के अनुसार, अगले 12 घंटों में चंबा, कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, लाहौल-स्पीति, मंडी, शिमला, सिरमौर जिलों में कहीं-कहीं बिजली चमकने के साथ ओलावृष्टि होने की संभावना है। चंबा, कांगड़ा व कुल्लू में अंधड़ चलने का ऑरेंज अलर्ट है।

ए.आई.सी.सी. डैलीगेट्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसका कायाकल्प करने का यही एकमात्र उपाय या कदम नहीं हो सकता, लेकिन इस समय तक हमें राहुल के तोपखाने में यही एक तोप दिखाई - सुनाई दी है।

कुल मिलाकर, एआईसीसी में राहुल गांधी के महान नेतृत्व की प्रशस्ति के बेसुरे स्वर ही सुनाई दे रहे थे, जो किसी भी एआईसीसी सत्र की एक स्थायी एवं अटल प्रवृत्ति बन चुकी है।

यह स्पष्ट नहीं है कि इसे एआईसीसी अधिवेशन क्यों कहा गया, जबकि यह संभवतः नरेन्द्र मोदी तथा अमित शाह को यह संदेश प्रेषित करने का आयोजन था कि कांग्रेस 2027 में भाजपा को सत्ता से उखाड़ फैंककर, गुजरात की सत्ता हासिल करने के लिये गंभीर कोशिश करने का मानस बना रही है। पार्टी के सामने मुख्य समस्या यह है कि पार्टी में राहुल गांधी की निकटस्थ छोटी-सी मंडली, जिसका नेतृत्व के.सी. वेणुगोपाल कर रहे हैं, की ही चल रही है। यह मंडली पार्टी में अपना शासन स्थायी रूप से कायम रखने के हित में, तथा अन्य बहुत से नेताओं को इस घेरे से दूर रखने के सम्बंध में निर्णय लेती रहती है।

इस संदर्भ में, पंजाब के एआईसीसी प्रभारी आलोक शर्मा का उदाहरण देना उचित होगा। बताया जाता है कि वे नेतृत्व के नोटिस में यह बात लाये कि पीसीसी अध्यक्ष राजा वड़िंग सक्रिय नहीं हैं तथा पूरी पंजाब इकाई उनके खिलाफ है। इसका परिणाम यह हुआ कि आलोक शर्मा को पंजाब प्रभारी के पद से हटा दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि यह के.सी. वेणुगोपाल और खड़गे के आदेश पर किया गया है तथा राहुल गांधी रणथम्भौर में हैं। उन लोगों के खिलाफ निर्णय लिये जा रहे हैं, जो पार्टी के हित के मुद्दे उठा रहे हैं, लेकिन राहुल गांधी वेणुगोपाल पर आँख मूंद कर भरोसा करते हैं।

बांग्लादेश में दिसम्बर तक आम चुनाव हो सकते हैं

बांग्लादेश चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूचियों पर काम चल रहा है

ढाका, 11 अप्रैल। बंगलादेश का चुनाव आयोग देश में आम चुनाव दिसंबर तक कराने की तैयारी कर रहा है। आयोग के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि चुनाव का कार्यक्रम सरकार की सहमति के साथ तय किया जाएगा। यह जानकारी आयोग के एक आला अधिकारी ने दी है।

बंगलादेश मीडिया की रिपोर्टों में चुनाव आयुक्त मोहम्मद अनवारुल इस्लाम सरकार के हवाले से कहा गया है कि आयोग दिसंबर में आम चुनाव कराने का विचार कर रहा है। इसके लिए मतदाता सूचियों को अंतिम रूप देने का काम चल रहा है।

रिपोर्टों में कहा गया है कि सरकार ने नरसिंगडी में उपायुक्त-कार्यालय में मतदाता सूची अद्यतन करने के संबंध में आयोजित एक कार्यक्रम में पिछले दिनों कहा, चुनाव के लिए हमारी तैयारियों के तहत मतदाता सूची को अद्यतन करने का काम पूरा होने ? वाला है।

- **अभी यह पता नहीं है कि क्या शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनाव में उतरने की अनुमति दी जाएगी या नहीं।**

बिजनेस स्टैंडर्ड बंगलादेश के अनुसार, चुनाव आयुक्त ने कहा, चुनाव आयोग की जिम्मेदारी स्थानीय, संसदीय और राष्ट्रपति पद के चुनाव आयोजित करना है।

चुनाव आयुक्त ने अपनी टिप्पणियों की व्याख्या करते हुए कहा, राष्ट्रीय संसद का चुनाव कराना अनिवार्य रूप से हमारी प्राथमिकता है। यदि राजनीतिक सहमति बनती है और सरकार को भी लगता है कि वह स्थानीय सरकारों के चुनाव कराने के लिए भी पूरी तरह तैयार है, तो सरकार चुनाव आयोग से अनुरोध कर सकती है।

राष्ट्रीय चुनाव कराना बंगलादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और उनके राजनीतिक सहयोगियों के बीच लंबे समय से एक मुद्दा बना हुआ है। सभी ने मांग की है कि अंतरिम सरकार द्वारा बिना किसी देरी के एक स्पष्ट रोडमैप जारी किया जाए, ताकि चुनाव कराए जा सकें।

यूनुस और उनकी सेना समर्थित अंतरिम सरकार पर सभी तरफ से जानबूझकर चुनाव कराने के मुद्दे को टालने का आरोप लगाये जा रहे हैं।

इस सवाल के जवाब में, कि क्या अवामी लीग आगामी चुनावों में भाग लेगी और क्या नाव के चुनाव चिह्न का इस्तेमाल किया जाएगा, चुनाव आयुक्त ने कहा कि यह पूरी तरह से एक राजनीतिक निर्णय है। उन्होंने कहा, अभी यह कहने का समय नहीं है कि मतपत्रों पर कोई प्रतीक मौजूद होगा या नहीं। समय ही बताएगा कि कौन से उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे और कौन से प्रतीक मतपत्रों पर दिखाई देंगे।

अंतरिम सरकार के राजनीतिक सहयोगियों, जैसे कि बीएनपी, एनसीपी और बीजेआई, ने अवामी लीग की भागीदारी का कड़ा विरोध किया है और पार्टी पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली पार्टी अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के बढ़ ते हमलों और अपने सदस्यों के खिलाफ हिंसा के निशाने पर रही है। हसीना ने पिछले साल अगस्त में सत्ता से बेदखल होने के बाद देश छोड़कर भारत में शरण ली थी। पिछले साल सरकार भंग होने के बाद इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा आवामी लीग पार्टी के सदस्यों की पिटाई की गई और यहां तक कि कई कार्यकर्ताओं की हत्या भी कर दी गयी।

आत्महत्या के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदर्शन कर देश का नाम रौशन कर रही हैं। ऐसे में यह विडम्बना है कि एक स्त्री, जिसके वश में मनचाही संतान पैदा करना नहीं है, को लड़की पैदा करने के लिए दोषी ठहराया जाता है और प्रताड़ित किया जाता है। इस प्रकरण में विवाहिता से इस हद तक क्रूरता की गई कि उसे अपनी चार साल की बेटी को फंदे पर लटकाने के बाद स्वयं के फांसी लगाकर आत्महत्या करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं मिला। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक नरेश गजराज ने अदालत को बताया कि अभियुक्त और सुनीता का दूसरा विवाह आटा-साटा प्रथा से साल 2018 में हुआ था। शादी के बाद दो पुत्रियों को जन्म देने और पुत्र को जन्म नहीं देने पर सुनीता को ससुराल वाले आए दिन प्रताड़ित करते थे। इस दौरान, मारपीट करने पर सुनीता ने पुलिस थाने में भी शिकायत दी थी। मार्च 2020 में दूसरी पुत्री के जन्म देने की सूचना मिलने पर उसके ससुराल पक्ष के लोग सुनीता को अस्पताल में ही छोड़कर आ गए थे। इस पर उसने अस्पताल वालों से मिलकर महिला थाने में शिकायत की थी। पुलिस की समझाइश के बाद ससुराल वाले सुनीता को लेकर गए थे। विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि आए दिन की प्रताड़ना से तंग आकर 4 जुलाई, 2023 को सुनीता ने पहले अपनी चार साल की बेटी को फांसी पर लटकाया और बाद में खुद ने भी फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना को लेकर मृतका के पिता की ओर से दर्ज रिपोर्ट पर पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। अभियुक्त ने अपने बचाव में कहा कि उसकी बहन की शादी उसके साले से आटे-साटे में हुई थी। शादी के बाद उसकी बहन ससुराल छोड़कर पीहर में रहने लगी थी। ऐसे में उसका साला मृतका पर अपनी पत्नी को भिजवाने का दबाव डालता था। इससे परेशान होकर उसने आत्महत्या की थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600